बहुजन समाज का गौरव
बुद्ध ज्योति विहार

उद्योगशील बनें ! सम्प्रज्ञानी बनें !! स्मृतिवान बनें !!!

बुद्ध ज्योति

मासिक समाचार बुलेटिन

व्यक्तियो से नही, धम्म से जुड़े !

बुद्ध ज्योति विहार का, यही मंगल संदेश । जन-जन का हित-सुख सधे, मन के मिटे क्लेश ।।
-भिक्षु शील सिरोमणि

Worthy of righteous life

Blessed are they who earn their living without harming others.

- Lord Buddha

बुद्ध वर्ष : 2565 वर्ष: 09 अंक : संयुक्त अंक-5,6,7 अजमेर, शनिवार, 05 जनवरी, 2022 वार्षिक सहयोग : रूपये 100

बुद्ध वचन

किं ते जटाहि दुम्मेध किं ते अजिन साटिया।
अब्भन्तर ते गहनं बाहिरं परिमज्जसि ॥
(गाथा संख्या 12, ब्राह्मण वग्ग, धम्मपद)

नदी मे स्नान से मन की शुद्धि नही होती

हे दुर्बुद्धि ! जटाओं से तेरा क्या (बनेगा, और) मृगचर्म के पहनने से तेरा क्या लाभ ? भीतर (मन) तो तेरा (राग आदि मलों से) परिपुर्ण, है बाहर क्या धोता है? (यानि संवारता है)

What is the use of your matted hair, O witless one? What of your garment made of antilope's skin? What you are full (of passions); you embellish only the outside.

- धम्म कथा

26-12 : स्नान से पाप नहीं कटता (ढोंगी ब्राहाण की कथा)

भगवान तथागत सम्यकसम्बुध्द्ध के वेसाली (वैशाली) के कूटगारशाला नामक विहार में विहरते समय, वेसालीवासी एक पाखंडी (कुहक) ब्राह्मण नगर के पास एक वृक्ष पर चढ़ कर दोनो पैरों को वृक्ष की डाल में फंसाकर नीचे की ओर सिर करके लटक गया । जब नगरवासी इस घटना के बारे में सुनकर वहां दौड़े आए तब उसने कहा - ''मुझे सौ गायें दो, कार्षापण दो, परिचारिका दो, यदि नहीं दोगे तो यहां से गिर-मरकर नगर को उजाड़ दूंगा।'' प्राय: लोग अल्पज्ञ होते हैं, अत: लोग डर कर उसे सब कुछ देने लगे। भिक्खुओं ने भी भिक्खाटन करते हुए यह देखा था। उन्होंने जाकर भगवान से कहा । भगवान ने कहा-''भिक्खुओ ! न केवल इसी समय वह पाखंडी है, बल्कि पहले भी था, किंतु उस समय पंडित को नहीं ठग सका,'' कहकर जातक का उपदेश देते हुए कहा- भिक्खुओ ! संसार में पंडितों की संख्या कम है, मूर्खो की संख्या अधिक है। पाखंडी लोग किसी न किसी ढंग से अज्ञों को ठगते ही रहते हैं। मैं तुम्हें एक जातक कथा सुनाता हूं। हो सकता है कि इस पाखंडी की दशा को समझने में यह कथा सहयोग करें।

प्राचीन काल में कासिक ग्राम में एक ब्राह्मण तपस्वी रहता था। उसकी सेवा- सत्कार एक गृहस्थ परिवार करता था । प्रात: एवं सायं परिवार खाना अथवा पेय बनाकर भेजता था। एक दिन उस परिवार ने एक गोधा (गोह) का मांस पकाकर खाने के लिए उसके पास भेजा। तपस्वी ने जब इस मांस को खाया तो उसे यह बहुत स्वाष्टि लगा। उसने गृहस्थ परिवार से पूछा तो पता चला कि यह गोधा का मांस है। दूसरे दिन उस तपस्वी ने अपने खाने के सामान-घी, दही, मसाले आदि- लाकर अपनी पर्ण कुटी में आकर एक तरफ रख दिए । उसकी पर्ण कुटी के पास गोधराज प्रणाम करने आता था। उस दिन वह तपस्वी यह निश्चय कर कि आज इसे मारना है, अपने वस्त्रों में एक डंडा (दंड) छिपा कर निद्रालु होने का ढोंग करने लगा। जब गोधराज बिल से बाहर निकल कर आया, तो उसे तपस्वी के सोने का अभिनय करते देखकर विचार हुआ- ''आज आचार्य का निद्रा लेने का आकार-प्रकार कुछ ठीक नहीं लग रहा है'' यह सोचकर वह अपने बिल की ओर घूम गया। तपस्वी ने उसे मारने के लिए डंडा फेंक कर मारा। डंडा छिटकर दूर जा गिरा और गोधराज बिल में जा घुसा । गोधराज ने बिल से अपना मुंह

शेष खबर 2 पेज पर

सभी धम्म मित्रों, उपासक, उपासिकाओं, दानदाताओं, एवं धम्म सेवकों को नव वर्ष 2022 की मंगल कामनाऐं।

15 स्थानों पर होंगे बुद्ध धम्म प्रेरणा केन्द्र

लक्ष्य एवं उद्देश्य

लक्ष्य:- धम्म (धर्म) अर्थात् प्रकृति या कुदरत का वह कानून, नियम अथवा विधान जो संसार के समस्त प्राणियों - मनुष्यों पर समान रूप से लागू होता है, को जानकर- समझकर मैत्री पूर्ण भाव से जीवन जीने की प्रेरणा लेना व देना।

उद्देश्य:-

1. शील-सदाचार की प्रेरणा ग्रहण करना।
2. तन व मन के स्वास्थ्य की प्रेरणा ग्रहण करना।
3. सम्यक ज्ञान की प्ररेणा ग्रहण करना ।
4. राष्ट्र निर्माण व समृद्धि की प्ररेणा ग्रहण करना।
5. सुख- शांति व समृद्धि की प्रेरणा ग्रहण करना।

आव्हान:-

1. हिंसा, चोरी, व्यभिचार, झूठ-चुगली- निंदा व मिथ्याभाषण और नशा आदि से दूर रहें।

शेष पृष्ठ 2 पर

पृष्ठ 1 से जारी

2. उपोसथ अष्टशील के द्वारा उचित आहार,आचार और विचार का अभ्यास करें।
3. समाज में व्याप्त अविद्या, अज्ञान एवं अंध श्रद्धा को दूर भगायें।
4. राष्ट्र निर्माण में बाधक तत्व जातिवाद, सम्प्रदायवाद और असमानता की भावना का मैत्री गुणों से समाधान खोजें।
5. भगवान बुद्ध के आर्य आष्टागिंक मार्ग (सही दृष्टि, सही संकल्प सही वाणी, सही कर्म, सही आजिविका सही व्यायाम, सही जागरूकता, सही समाधि) पर चलें।

कार्यक्रम एवं कार्य योजना

1. प्रतिदिन शील सदाचार की शपथ लेना अर्थात पाँच शील ग्रहण कर के उनके पालन का प्रयास करना।
2. प्रतिदिन कम से कम 10 मिनट आना-पान और विपश्याना-साधना का अभ्यास करना।
3. संसार के सभी प्राणियों के हित, सुख व मंगल हेतु मैत्री करना।
4. साप्ताहिक धम्म सभा का आयोजन करना।
5. प्रत्येक पूर्णिमा, अमावश्या और दोनों अष्टमियों के दिन आर्य उपोसथ अष्ट शील का पालन करना।
6. बच्चों, महिलाओं एवं प्रबुद्धजनों को धम्म पुष्कर विपश्यना केन्द्र के शिविरों की जानकारी देना।
7. बुद्ध ज्योति विहार पर छात्र/छात्राओं के लिए होने वाली शैक्षिक प्रतियोगिताओं की जानकारी देना ।
8. आदर्श समाज निर्माण हेतु सादगी पूर्ण, कम खर्चीले एवं समय की बचत वाले मंगल संस्कार कराना।
9. उपासक / उपासिकाओं व धम्म मित्रों के बीच सामाजिक सरोकार को बढ़ावा देने के प्रयास करना।
10. सदस्य परिवारों में सुख शांति हेतु परित्राण पाठ, धम्म कथा, मंगल मैत्री व सामूहिक साधना के कार्यक्रम आयोजन करना।

नोटः– प्रत्येक केन्द्र पर कम से कम 5 धम्म सेवकों की प्रबन्धन समिति बनेगी। केन्द्र प्रभारी द्वारा विपश्यना साधक होना अपेक्षित है।

अजमेर शहर के केन्द्रों की सूची

1. डॉ. लेखराज गोठवाल : मो. 9414008341 चैतन्य मार्ग, नगरा, अजमेर ।
2. मदन सिंह तँवर : मो. 9680423896 रोजमेल प्रेसरोड़, गौतम नगर, अजमेर।
3. घीसूलाल बर्नोलिया : मों. 8769571166 राजेन्द्र कॉलोनी, धोलाभाटा, अजमेर।
4. प्रेम प्रकाश सिंह उमरवाल : मो. 9351408220 गॉधी नगर, धोला भाटा, अजमेर।
5. ओ.पी.वर्मा : मो. 9166432685 सुजाता कॉलोनी, मदार रेल्वे स्टेशन के पीछे, अजमरे।
6. प्रेम सिंह खाँट मो. 9784104135 जव्हार जादूगर, अलवर गेट, अजमेर।
7. बी.एस.ज्योतियाना : मो. 9983345822 'ए' ब्लॉक, चन्द्रवरदायी नगर, अजमेर।
8. हेमन्त कुमार बौद्ध : मो. 7737357523 गुर्जरवास, अजय नगर, अजमेर।
9. विक्रम सिंह कालोत : मो. 9983333961 नई बस्ती, भजनगंज, अजमेर।
10. कैलाश चन्द चौहान : मो.7597072101 13 क्वार्टर, पहाड़ गंज, अजमेर।
11. उपा. प्रेमलता शाक्य : मो 9694140422 पूजा मार्ग, धोलाभाटा, अजमेर।
12. मोहन सिंह वर्मा : मो. 9828726385 सुभाष नगर, अजमेर।
13. रामचन्द्र सोलंकी : मो. 9950996832 संघमित्रा कॉलोनी, ग्राम धोला भाटा, अजमेर।
14. गोविन्द राम जाटव मो. 8104577595 फॉय सागर रोड़, अजमेर।
15. डॉ. गुलाबचन्द जिंदल मो. 9460180510 डॉ. अम्बेडकर कॉलोनी, गुलाबबाड़ी अजमेर।

गांधी नगर, धोला भाटा, अजमेर प्रेरणा केन्द्र का शुभारम्भ

03 जनवरी माता सावित्री बाई फुले की जयन्ती के अवसर पर उपासिका ममता परिहार द्वारा सायं 05 बजे किया गया। जिसमे अनेक धम्म बन्धु एवं परिवार जन उपस्थिति थे।

दो दिवसीय बौद्ध सम्मेलन, सम्पन राष्ट्रीय स्तर पर बौद्ध संगठनो का समन्वय जरुरी

जयपुर ,26 दिसम्बर, राजस्थान के बौद्ध समुदाय के श्रद्धावान उपासक उपासिकाओं कार्यकताओं एवं प्रबुद्धजनों का दो दिवसीय सम्मेलन जयपुर के डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्कूल, त्रिवेणी नगर गोपालपुरा, बाईपास जयपुर में आयोजित की गई। जयपुर में सम्पन्न इस दो दिवसीय कार्यक्रम में राजस्थान के भिक्षु सघं एवं विभिन्न जिलों के प्रतिनिधियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर प्रदेश में बौद्ध समुदाय से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

25 दिसम्बर को बौद्ध समाज की प्राथमिकताएँ, भिक्षु संघ एवं उपासक के कर्तव्य, बौद्ध समुदाय की शैक्षिक, आर्थिक साँस्कृतिक व धार्मिक विकास सम्बन्धित चर्चा तथा विशेष सत्र में बौद्ध संस्कारों में एकरूपता एवं धम्म के प्रचारप्रसार पर धम्माचारियों की नियुक्ति आदि नियमों से सम्बधित चर्चा हुई।

26 दिसम्बर को बौद्ध समुदाय के संविधानिक विषयों एवं बुद्धिष्ट पर्सनल ला पर विस्तार मे चर्चा हुई। इस चर्चा में मा. अभयरत्न बौद्ध राष्ट्रीय सगंठक बौद्ध सगंठनो की राष्ट्रीय समन्वय समिति, बुद्ध गया

द्वारा बौद्ध समुदाय से सम्बधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात रखी।

इस महत्त्वपूर्ण चर्चा में आपने 9 वीं राष्ट्रीय धम्म संसद में पारित धार्मिक एवं संगठनात्मक प्रस्तावों की जानकारी दी।इसमें उन्होने पालिभाषा को सघं लोक सेवा आयोग एवं संविधान की आठवीं सूची मे शामिल किये जाने, बुद्ध विहारों तथा स्कूलों में पठन-पाठन, महाबोधि महाबिहार की सुरक्षा, एवं

निकाल कर तपस्वी से कहा-

''मैं तुम्हे श्रमण मानकर तुम्हारे पास आता था, परंतु तुम तो बहुत ही असंयमी निकले तथा तुमने एक अश्रमण के समान मुझ पर प्रहार किया। अरे, दुर्बुद्धि! तुम्हें तपस्वियों जैसी जटाएं तथा मृगचर्म के लपेटने से क्या लाभ, क्योंकि तुम्हारा मन तो कलुषित है ? बाहर से स्वच्छ तथा निर्मल रहने से तुम्हारा कल्याण कैसे होगा ?'' तब तपस्वी ने कहा - ''गोधराज! लौट आओ। मैं तुम्हें शालिधान का भात खिलाऊंगा। मेरे पास उसमें मिलाने कि लिए घी,तेल तथा स्वादिष्ट मसाले भी हैं।'' तब गोधराज ने कहा - ''मैं तो पुनः अपने बिल में ही प्रविष्ट हो रहा हूं। तुम्हारा दिया हुआ घी, तेल तथा मसाले मिला शालि चावल मेरे लिए तो अहितकर ही होगा। यह तुम्हें ही मुबारक हो'' इस प्रकार समझाते हुए भगवान तथागत सम्यकसम्बुद्ध ने यह सारगर्भित गाथा कही थी।

प्रबन्धन बौद्धों को सौपनें, बौद्ध विवाह मान्यता बिल, बुद्ध बिहार एक्ट, केन्द्र एवं राज्य अल्पसंख्यक आयोग में बौद्ध प्रतिनिधियों को शामिल करने, बौद्धो को राष्ट्रीय अल्प संख्यक आयोग को सशक्त बनाने, भारत सरकार के 11 मन्त्रालयों द्वारा चलाई जा रही 24 योजनाओं, राज्य सभा में भारत के संविधान के अनुछेद 80 के अन्तर्गत बौद्ध सदस्य के मनोनयन, लुम्बिनी - कुशीनगर - गोरखपुर, रेल्वे लाईन डालने, बौद्धों की समस्याओं के समाधान हेतु कमेटी गठित करने सहित राज्य, जिला, तहसील एवं ग्रामीण स्तर तक संगठन को ले जाने सम्बन्धि व्यापक जानकारियां दी। संगठन के राष्ट्रीय महासचिव मा.जे. एल. शक्तिराजन ने भी इस अवसर पर अपने विचार प्रकट किये। क्रार्यक्रम में बुद्ध ज्योति विहार, अजमेर की ओर से मा.डी.आर. बेरवाल ''धम्म रतन''जी ने बौद्ध साँस्कृति निर्माण विषय पर अपने विचार प्रकट किये। इस अवसर पर मा.डॉ.लेखराज गोठवाल, मा. दीन दयाल तँवर, मा. प्रेम प्रकाश सिंह उमरवाल एवं मान्यवर मदन सिंह तँवर आदि भी भाग लिया।

अशोक धम्म विजय दशमी पर्व

15 अक्टूबर, 2021 : अशोक धम्म विजयदशमी पर्व सांय 4 बजे से बुद्ध ज्योति विहार अजय नगर अजमेर मे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें विचार गोष्ठी का विषय विश्व शान्ति की दिशा मे सम्राट अशोक का योगदान रखा गया। जिसमे मुख्य अतिथी मा. विवेक काला, उप महा प्रबन्धक डी.एफ.सी अजमेर रहे।

एक दिवसीय आनापान शिविर

19 दिसम्बर, 2021 : प्रात: 9 से 10 तक रविवारीय धम्म सभा आयोजित की गई। तत्पश्चात् 11 बजे से सायं 4 बजे तक बाल आचार्य मा. रामस्वरूप जी गौतम के पावन सानिध्य में बालक-बालिकाओं के लिए एक दिवसीय ''आनापान '' शिविर का आयोजन किया गया। इसमे 22 बच्चों ने भाग लिया शिविर में बच्चों को फलाहार एवं अल्पाहार दिया गया। अन्त मे मंगल मैत्री के साथ शिविर का समापन किया।

ट्रस्ट की बैठक

12 सितम्बर, 2021 : बुध ज्योति फाऊडेशन ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न हुई जिसमें विहार मे चल रही विभिन्न गति विधियों पर चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया।

मानवाधिकार दिवस

10 दिसम्बर, 2021 : को मानवधिकार दिवस पर तिब्बती ल्हासा वस्त्र मार्केट, स्वामी काम्पलेक्स के पास अजमेर में मनाया गया। परमपूज्य दलाई लामा जी को विश्व शान्ति के नोबल पुरस्कार के 32 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बुद्ध ज्योति विहार अजमेर सहित अन्य बौद्ध उपासक

उपासिकाओं को भी आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम मे श्री गोपाल बाहेती, प्रकाश जैन, देवीलाल झाला, डी.आर बेरवाल आदि ने सम्बोधन दिया। तिब्बति मार्केट के अध्यक्ष मा. छोग्याल जी ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन मे बताया कि परम पूज्य दलाई लामा विश्व शान्ति प्रतीक, बुद्ध-पुत्र व बोधि सत्व है। आपने बताया कि दलाई लामा जी के जीवन के चार प्रमुख ध्येय है:

1. विश्व में शान्ति स्थापित करना।
2. भारत के भगवान- बुद्ध का धम्म विश्व भर मे फैलाना।
3. तिब्बत को आजादी मिले तथा विश्व भर मे फैले तिब्बती भाईयों को उनके देश में मूल-भूत मानव अधिकार मिले।
4. नालन्दा विश्व विद्यालय का प्राचीन गौरव वापस लौटे। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य, गायन के साथ कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया। बुद्ध ज्योति विहार की ओर से मंगल कामनाऐं।

पवारणा दिवस

24 अक्टूबर, 2021 : प्रात: 9.30 बजे से पवारणा दिवस मनाया गया जिसमें रविवारीय धम्म सभा बुद्ध वन्दना, त्रिशरण पंचशील व धम्म गोष्ठी के पश्चात् बुद्ध ज्योति विहार में तीसरा वर्षावास जो कि भन्ते शील शिरोमणी द्वारा दिनांक 24 जुलाई, अषाढ़ी पूर्णिमा से 20 अक्टूबर 2021 अश्विनी पूर्णिमा तक किया गया। जिसमें भन्तेजी द्वारा धम्म उपदेश, धम्म ग्रन्थों का अध्ययन किया । वर्षा के दौरान अनेक उपासक -उपासिकाओं ने अपनें निवास पर भन्ते जी को भोजनदान दिया तथा धम्म देशना का पुण्य लाभ कमाया । इसी अवसर पर 17.10.2021 को आयोजित ''बोधिसत्व सामान्य ज्ञान परीक्षा''में भाग लेने वाले परीक्षार्थियों को पुरूस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गये। भिक्षु शील शिरोमणी जी के सानिध्य मे आयोजित कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथी मा. जोहरी लाल लवास थे तथा अध्यक्षता मा. डॉ. लेखराज गोठवाल द्वारा की गई।

बुद्ध ज्योति फाउन्डेशन ट्रस्ट की बैठक

12 दिसम्बर, 2021 : बुद्ध ज्योति फाउन्डेशन ट्रस्ट व सक्रिय कार्यकताओं की सयुंक्त बैठक का आयोजन दिनांक 12 दिसम्बर, 2021 को प्रात: 9:00 बजे ''बुद्धा हिल्स '' पर किया गया। बैठक मे सामान्य मुद्दों के अतिरिक्त कलेन्डर ''बुद्ध ज्योति दिग्दर्शन 2022 का प्रकाशन, बुद्ध धम्म प्रेरणा केन्द्रो की स्थापना, सांची द्वार की प्रति कृति को दानदाता द्वारा बौद्ध धम्म संस्कृति अनुसार पूर्ण कराने, संस्था को कम्प्यूटर सेट की आवश्यकता, बच्चों का आनापान शिविर तथा अन्य विकास कार्यो की रूप रेखा पर विचार विमर्श कर निर्णय लिए गये। बैठक की अध्यक्षता बुद्ध ज्योति विहार प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष डॉ. लेखराज गोठवाल द्वारा की गई।

सविधान दिवस मनाया गया

26 नवम्बर, 2021 : शुक्रवार को सायंकाल 4 से 6 बजे तक संविधान सभा को सन् 1949 को प्रारूप समिति के मार्फत संविधान प्रारूप प्रस्तुत किए जाने के उपलब्ध में विचार गोष्ठी का आयोजन रखा गया। नागरिकों के अधिकारों का रक्षा कवच ''भारत का संविधान'' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. चेतराम रायपुरिया ज.ला.नेहरू चिकित्सालय अजमेर ने की। तथा विशिष्ठ अतिथि एडवोकेट दुर्गा मायच व बसन्त कुमार जी थे।

सामान्य ज्ञान परीक्षा

17 अक्टुबर, 2021 : प्रात: 9.30 बजे ''बोधिसत्व सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमे अनेक छात्र- छात्राओं की उपस्थिति रही।

बुद्ध ज्योति दिग्दर्शन कलैण्डर 2022

भगवान गौतम बुद्ध की समतामूलक विचारधारा को समर्पित, बुद्ध ज्योति दिग्दर्शन,2022 का प्रकाशन शीघ आपके हाथों मे होगा। बुद्ध धम्म सँस्कृति के ध्वज वाहक इस कलैण्डर में दिनांक व मासों की जानकारी हिन्दी अंग्रजी के साथ-साथ पालिभाषा मे भी उपलब्ध होगी।

सभी बौद्ध पर्व-उत्सवों की जानकारी, राष्ट्रीय पर्वो का समावेश, माह के 4 उपोसथ दिवसों की जानकारी, सरकारी छुट्टियाँ एवं महापुरूषों को जन्म व स्मृति दिन आदि उपलब्ध रहेगी। त्रिरत्न मेत्ता पब्लिकेशन ट्रस्ट बुद्ध ज्योति विहार, अजमेर द्वारा प्रकाशित इस कलैण्डर का सम्पादन मा. डॉ गुलाब चन्द जिन्दल, सहयोग डी.डी. तँवर एवं प्रबन्धन राकेश कालोत द्वारा किया गया है। परिकल्पना डी. आर.बेरवाल धम्म रतन द्वारा किया गया।

प्रति कलैण्डर की सहयोग राशि 50/- रू रखी गई है। 10 प्रतियाँ 500/- रू (डाक खर्च सहित) तथा 25 से अधिक प्रतियाँ 30/- प्रति होगी। आप भी अपनी प्रति सुरक्षित करावें।

मगंल हुआ प्रभात श्रृंखला–75

अपना कर्म सुधार बीता क्षण ना आय

लघु जीवन है मनुज का, भले शतायु होय।
कर्म ग्रंथियां काट ले, पल क्षण व्यर्थ न खोय।।
वर्तमान के बन गये, जिस दिन शहन्शाह।
उस दिन कल की मिट गयी, दुश्चिंता की दाह ।।
कल की चिंता से विकलप, भय संकुल जो होय ।
वर्तमान का सकल सुख, व्याकुल मन हो खोय।।
जो न विकल कल के लिये, योग-क्षेम भरपूर ।
अनासक्त वह मुक्त है, हुए दुक्ख सब दूर।।
कल की ही चिन्ता बढ़ी, लुटा शांति का राज।
कल में मन बेकल रहा, उजड़ गया सुख आज।।
भूत भविष्यत् त्याग कर, वर्तमान में जीय।
कर्म बंध सब काटकर, मुक्ति सुधारस पीय।।
क्षण क्षण सत्क्षण ही बने, दु:क्षण बने न एक।
तो मानव होवे अभय, रहे न दुख की रेख।।

कल्याण मित्र, स.ना.गोयन्का

सबका मंगल हो।

पालि भाषा प्रशिक्षण

04 अक्टूबर, 2021 : एक दिवसीय पालि भाषा प्रशिक्षण प्रात: 9 बजे से सायं 5 बजे तक मा. दया सागर जी बौद्ध लखनऊ, उत्तर प्रदेश के द्वारा दिया गया।

दीपदान उत्सव

04 नवम्बर, 2021 : गुरूवार कार्तिक अमावस्या को दीपदान उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दिन अनेक उपासक - उपासिका व धम्म सेवकों ने विहार परिसर में दीप प्रज्वलित करके प्रति वर्ष की भांति उत्सव मनाया। विश्व में यह दिवस तथागत सम्यक सम्बुद्ध के कापिल वस्तु नगर पधारने एवं सम्राट अशोक द्वारा चौरासी हजार स्तुप बनवाकर उन पर दीपदान करने की स्मृति के रूप मे मनाया जाता है।

पालि परीक्षा उत्तीर्ण की

पालि भाषा एवं बौद्ध संस्कृति विकास समिति रजि. (उत्तर प्रदेश) द्वारा आयोजित पालि भाषा भाग -

एक की परीक्षा का आयोजन 05 दिसम्बर 2021 को किया गया। राजस्थान प्रदेश से इसमें कुल 7 अभ्यार्थीयों ने परीक्षा थी। इनमें 1 जयपुर से तथा 6 बुद्ध ज्योति विहार, अजमेर से थे। सिद्धार्थ विद्यापीठ चक्कीपाट बुद्ध विहार आगरा केन्द्र पर बैठे परीक्षार्थियों मे मा. बाबूलाल सोगरा (जयपुर), मा. डी.आर.बेरवाल धम्मरतन, मा. दीन दयाल तंवर, मा. प्रेम प्रकाश सिंह उमरवाल, मा. प्रेमसिंह खाट, मा. रमीला जी एवं डॉ. लेखराज गोठवाल आदि सभी परीक्षार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए। अगली परीक्षा तिथी 05 जून 2022 को प्रस्तावित है। सभी को बधाई मंगल कामनाएँ।

बिजिंग विन्टर ओलिम्पक2022 का बायकॉट हेतु आव्हान

अजमेर,31 दिसम्बर,रीजनल तिब्बतीयन यूथ काँग्रेस दिल्ली की बाईक रैली आज अजमेर पँहुची। इस रैली का तिब्बतीयन ल्हासा मार्केट, स्वामी कॉम्पलेक्स चौराहा पर सभी बौद्ध संगठनों की ओर से स्वागत किया गया। बाईक रैली का आयोजन बेंगलुरू से दिल्ली तक होगा। इसके अन्तर्गत भारत के 40 बडे शहरों को कवर करते हुए 7-8 हजार किलोमीटर की यात्रा पूरी करके जागरूकता का सन्देश दिया जायेगा।

आयोजित कार्यक्रम में बुद्ध ज्योति विहार अजमेर से मा.डी.आर बेरवाल 'धम्मरतन', मा. प्रेम प्रकाश सिंह उमरवाल, मा. मदन सिंह तँवर, मा. बी. एस. ज्योतियाना, मा. देवीलाल झाला, मा. नारायण सिंह राठौड़ आदि ने भाग लिया। नगर निगम अजमेर के उप महापौर मा. नीरज जैन भी कार्यक्रम में उपस्थित रहें।

इस अवसर विभिन्न वक्ताओं द्वारा तिब्बत में चीन द्वारा बौद्ध धर्म संस्कृति, तीर्थ स्थलों एवं

मानवीय अधिकारों पर किये जा रहे हमलो की निन्दा की गई। बिजिंग विन्टर ओलम्पिक के माध्यम से तिब्बत और तिब्बतीयन जनता अत्याचार, मानसिक यातनाएँ, वातावरण प्रदुषण तथा खनिज पदार्थो का अत्यधिक उत्खनन आदि किये जाने से व्यथित है। इसे रोकने एवं विश्व समुदाय से सर्दी ओलम्पिक को रद्द करने की मांग की गई।

बाईक यात्रा में ओलम्पिक रद्द करने के अलावा पन्चेन लामा और अन्य तिब्बती राजनैतिकों की रिहाई, 167 तिब्बती शहीदों की मांग की सुनवाई और प्रचार आदि मांगे भी रखी गई। अन्त में भारत-तिब्बत मैत्री अमर रहे। तिब्बत की आजादी के लिए नारे लगाये। जय भारत - जय तिब्बत।

धम्म दान प्राप्त

★डॉ. चेतराम रायपुरिया बने अजीवन सदस्य।
★जितेन्द्र कालोत एवं लीना के विवाह के अवसर पर धम्म दान प्राप्त हुआ।
★सुमित आनन्द एवं पूजा के विवाह के अवसर पर धम्म दान प्राप्त हुआ।

आओ लोगों विश्व के, धारे धर्म महान।
शील समाधि–निधान हों, होवें प्रज्ञावान ॥

विनम्र अपील

कृपया किसी भी प्रकार के दान, सहयोग, नगद, चैक, वस्तुदान आदि संस्था के नाम पते पर भिजवाएं अथवा निम्नलिखित बैंकखातों में जमा करके रसीद सहित हमें सूचित अवश्य करें।

बुद्ध ज्योति फाउण्डेशन, अजमेर राजस्थान
खाता संख्या : 01532010040860
पंजाब नेशनल बैंक
स्टेशन रोड़,अजमेर
I.F.S.C. CODE : PUNB0015310

पता : बुद्ध ज्योति विहार
बुद्धा हिल्स, जागृति नगर, सतगुरू कॉलोनी के पास, अजय नगर, अजमेर-305003
969403952, 9079892500, 7737357523
Email: dhamma.ratna3@gmail.com

मुद्रिम सामग्री / PRINTED MATTER

प्रतिष्ठा में,

श्रीमान्/श्रीमती.....

.....

.....

.....

मुद्रक: अरावली प्रिन्ट, अजमेर 8949395574
सम्पादक- प्रेम सिंह उमरवाल 9351408220

राजस्थान राज्य स्तरीय बौद्ध संगोष्ठी संपन्न पूज्य भिक्खु कश्यप आनंद ''राजस्थान भिक्खु संघ'' के अध्यक्ष चुने गए।

बौद्ध संगठनों की राष्ट्रीय समन्वय समिति भारत की ''राजस्थान राज्य इकाई'' के संयोजक आयुष्मान प्रज्ञा मित्र बौद्ध जी के सानिध्य में राजस्थान बौद्ध समुदाय एवं पूज्य भिक्खु संघ की दो दिवसीय राज्य स्तरीय बौद्ध संगोष्ठी बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्कूल, त्रिवेणी नगर गोपालपुरा, बाईपास जयपुर में आयोजित की गई।

बौद्ध संगोष्ठी का उदघाटन पूज्य भिक्खु शील शिरोमणि, पूज्य भिक्खु कश्यप आनंद एवं अवकाश प्राप्त न्यायाधीश टेकचंद राहुल जी ने दीप प्रज्वलित करके किया । तत्पश्चात राजस्थान राज्य स्तरीय बौद्ध संगोष्ठी में पधारे सभी बौद्ध उपासक-उपासिकांओं ने पूज्य भिक्खु संघ से त्रिशरण पंचशील ग्रहण किया।

इस बौद्ध संगोष्ठी में बौद्धों की समस्याओं, बौद्धों व भिक्खु संघ के कर्तव्यों, बौद्धों की आर्थिक, सामाजिक, सांस्—तिक ,शैक्षिक एवं धार्मिक विकास, बौद्ध धम्म का प्रचार-प्रसार, तथा बौद्धों के कानूनी संवैधानिक विषयों पर गंभीर चर्चा हुई।

इस अवसर पर सर्वसम्मति से राजस्थान भिक्खु संघ का अध्यक्ष पूज्य भिक्खु कश्यप आनंद जी को चुना गया, पूज्य भिक्खु कश्यप आनंद जी ने अपनी जिम्मेदारी को ग्रहण करते हुए अपने संबोधन में संपूर्ण राजस्थान में बौद्ध धम्म के प्रचार-प्रसार का संकल्प दोहराया ।

राजस्थान राज्य स्तरीय बौद्ध संगोष्ठी में मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में बौद्ध संगठनों की राष्ट्रीय समन्वय समिति भारत के राष्ट्रीय समन्वयक एवं संगठक श्रध्देय अभय रत्न बौद्ध ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय बौद्धों को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग एक्ट- 1992 के अंतर्गत ''अल्पसंख्यक बौद्ध समुदाय'' के रूप में कानूनी मान्यता दी गई है।

भारत सरकार के कल्याण मंत्रालय अधिसूचना दिनांक 22 अक्टूबर 1993 एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार दिनांक 27 जनवरी 2014 को अधिसूचना जारी कर ''भारत के राजपत्र'' (जैम ळंमजजम वि प्दकपं) में प्रकाशित मुस्लिम,ईसाई, सिक्ख, पारसी एवं बौद्धों को ''अल्पसंख्यक समुदाय'' के रूप में अधिसूचित किया गया है।

इसलिए भारत में ''बोधी समाज'' या ''बौद्ध समाज'' के रूप में नया शब्द बनाना, गढ़ना, प्रचारित करना, जिद्दोजहद करना, यह कोई विधिमत्ता नहीं है, यह केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा, गैर संवैधानिक, गैर कानूनी अनावश्यक होगा और ऐसे शब्दों को भविष्य में कानूनी मान्यता मिलना संभव नहीं होगा, इसलिए ''बौद्धमय भारत'' बनाने के लिए हम संगठनों की राष्ट्रीय समन्वय समिति भारत सबको ''बौद्ध समुदाय'' के रूप में संयुक्त रुप से एकजुट होना होगा।

भारत में बौद्ध अल्पसंख्यक समुदायों के उत्थान एवं विकास के लिए सामाजिक,सांस्—तिक, शैक्षिक एवं आर्थिक लाभ के लिए लगभग 24 योजनाएं भारत सरकार एवं राज्यों की सरकारों द्वारा देश में चलाई जा रही है, देश में जिन लोगों ने नामांतरण ,धर्मांतरण किया है और अल्पसंख्यक बौद्ध प्रमाण- पत्र प्राप्त किया है उन्हें सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। अधिक जानकारी के लिए जिले के अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी से संपर्क करें।

भारत में बौद्धों के विकास एवं उत्थान के लिए कार्य कर रहे संगठन एवं भगवान बुद्ध के विचारों पर विश्वास करने वाले उपासक- उपासिकांओं से हमारा आग्रह है कि वह बौद्ध संस्कृति से जुड़े और अल्पसंख्यक बौद्ध धम्मदीक्षा प्रमाण, और अपने बच्चों के लिए Certificate of Buddhist identification (Buddhist by birth and belong to the minority community) Certificate of Buddhist marriage, बौद्ध विवाह प्रमाण पत्र के लिए जानकारी ले सकते हैं।

''बुद्धिस्ट पर्सनल ला'' का सवाल है यह मांग हमने वर्ष 2013-14 के प्रथम राष्ट्रीय बौद्ध धम्म संसद बुध्दगया में रखी थी और सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर भारत सरकार को भेजा गया था जो कि बाद में सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा कि देश में ''समान आचार संहिता'' कानून बनाने पर विचार किया जा रहा है और इसे बनाने को लेकर भारत का सुप्रीम कोर्ट एवं दिल्ली हाई कोर्ट ने विगत वर्षों में समान आचार संहिता बनाने को लेकर आदेश भी दिए हैं।

यदि बौद्ध समुदाय अन्य धर्मों की तरह अपनी ''पालिभाषा'' अपना ''बौद्ध विवाह मान्यता कानून'' अपने ''बुद्ध विहारों का प्रबंधन कानून'' सहित अन्य अधिकारों के लिए समन्वय बनाकर कार्य करें तो हमें अपने अधिकार प्राप्त करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा।

जैसा कि आप लोग जानते होंगे कि बुध्द कालीन प्राचीन ''पालि भाषा'' को संविधान की आठवीं सूची में अभी तक नहीं रखा गया है और बोलचाल की भाषा ना होने से ''संघ लोक सेवा आयोग'' से हटा दिया गया है।

सिक्खों का ''आनंद मैरिज एक्ट'' 7 जून 2012 को तत्कालीन भारत सरकार ने कानूनी मान्यता प्रदान कर दी है किंतु बौद्धों का ''बौद्ध विवाह मान्यता कानून'' वर्ष 1981 से भारत की संसद राज्यसभा में तत्कालीन सांसद राज्यसभा श्रध्देय एस.डब्लू ढाबे जी के द्वारा उठाया गया सवाल बिल के रूप में आज भी विचारणीय है।

बौद्धों के धर्मस्थल ''बुद्ध विहार'' को मंदिर एवं टेंपल कहा जाता है और लिखा जाता है।बुध्द विहारों का आजादी से पहले और आजादी के 74 सालों के बाद भी बौद्ध धर्म स्थलों के संरक्षण एवं विकास के लिए कोई कानून नहीं बना, इसीलिए अशोक कालीन 84000 बुध्द विहारों तोड़ दिया गया और कुछ बचे हुए बुद्ध विहारों पर अवैध कब्जा करके उन्हें हिंदू मंदिर बना दिये गये।इसलिए हमें एकजुट होकर ''बुद्ध विहारा प्रबंधन एक्ट'' कानून बनाने के लिए प्रयास करने होंगे। जो कि आने वाली पीढ़ी के लिए यह कानून बडा हितकारी होगा।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25(1) अपने-अपने धर्म को मानने प्रचार-प्रसार करने की धार्मिक आजादी देता है,वही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 25 का भाग 2 खंड (ख) धार्मिक गुलामी देता है हमें हिंदू बनाता है, क्योंकि अनुच्छेद 25 भाग 2 खंड (ख) में सिक्ख, जैन एवं बौद्धों को हिंदू धर्म के साथ ही समावेश किया गया है।संविधान में संशोधन एवं बदलाव को लेकर तथा अपनी स्वतंत्र पहचान को लेकर हमने भारत के सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है । हमारा संकल्प है कि जब तक हम जीवित है बौद्धों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

बौद्ध समुदाय के हित में जन्म से बौद्धों के बच्चों की पहचान ,बौद्ध धम्म दीक्षा, विवाह, मृत्यु संस्कारों सहित सभी प्रमाणपत्रों को धार्मिक रूप से हमने प्रकाशित किया है। हमारी अपील है कि बौद्धों के संगठन एवं बौद्ध उपासक- उपासिकांए इसका लाभ उठाएं।

अन्य वक्ताओं में बौद्ध उपासिका दीक्षा बौद्ध, एवं बौद्ध संगठनों की राष्ट्रीय समन्वय समिति भारत के राष्ट्रीय महासचिव जे.एल. शक्तिराजन बौद्ध, सलाहकार डॉ.कल्याण सिंह बौद्ध, बुद्ध ज्योति फाउंडेशन ट्रस्ट अजमेर के अध्यक्ष आयुष्मान धम्म रत्न बौद्ध ने भी अपने विचार व्यक्तकिए।
कार्यक्रम का संचालन आयुष्मान विनय बौद्ध ने किया और धन्यवाद ज्ञापन आयुष्मान प्रज्ञा मित्र बौद्ध जी ने किया।

जे.एल. शक्तिराजन बौद्ध
राष्ट्रीय महासचिव बौद्ध